

रहते हैं क्योंकि वह ४००-५०० मील की रफ्तार से चलते हैं और उनको पकड़ना आसान नहीं होता है या तो अब सैकड़ों हमारे हवाई जहाज हवा में उनका पीछा करने के लिये हों। ऐसे उनका पकड़ना आसान नहीं है, दो, चार मिनट रह कर निकल जाते हैं।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या पाकिस्तान के जो विमान इस बीच में हमारे क्षेत्र में उड़े हैं वे विशेष कर क्या उन क्षेत्रों में उड़े हैं जहाँ हमारे सैनिक अड़डे थे और उनकी जानकारी लेने के लिये और उनकी तस्वीरें आदि लेने के लिए आये थे ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : वह ज्यादातर कश्मीर की सीज फायर लाइनके इधर उड़े हैं और जाहिर है कि वे कुछ न कुछ देखने के लिये उड़े होंगे।

Shri D. C. Sharma: From the statement I find that these air violations have occurred in places which are very near our border—Tithwal, Amritsar, Atari etc. May I know if any steps have been taken to see to it that they do not come so near as Amritsar, Atari and Tithwal?

Shri Jawaharlal Nehru: I do not know what steps can be taken except to be ready for them and try to shoot them down.

श्री म० ला० द्विवेदी : बयान से मालूम पड़ता है कि लड़ाई बन्दी रेखा के इस तरफ भी पाकिस्तानी हवाई जहाज आये और दूसरी जगह भी ६ उन्होंने हमले किये, मैं जानना चाहता हूँ कि इस सम्बन्ध में जो दो घटनाएँ हुई हैं उनमें हम ने प्रोटैस्ट भी पेश नहीं किया है, सितम्बर से अब तक नहीं किया है, मैं जानना चाहता हूँ कि इस विलम्ब का क्या कारण है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : मैं इस के बारे में बगैर दरयापत किये जवाब नहीं दे सकता।

Indian Settlers in Ceylon

- Shri Bibhuti Mishra:
Shri P. K. Deo:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri Jagdev Singh Siddhanti:
Shri D. N. Tiwary:
Shri Bishanchander Seth:
*133. Shri Yashpal Singh:
Shri K. N. Tiwary:
Shri P. C. Borooah:
Shri Maheswar Naik:
Dr. L. M. Singhvi:
Shri Yallamanda Reddy:
Shrimati Savitri Nigam:

Will the Prime Minister be pleased to state:

(a) whether it is a fact that during his visit to Ceylon he had talks with the Prime Minister of Ceylon on problem of Indian settlers rendered Stateless by Ceylonese citizenship laws; and

(b) if so, the result of the talk?

The Deputy Minister in the Ministry of External Affairs (Shri Dinesh Singh): (a) Yes, Sir.

(b) The talk was brief and of a general nature. Further discussions at official level are envisaged.

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूँ कि जो हमारे भारतीय सीलोन में बसे हुए हैं और स्टेटलेस सिटीजन की हालत में हैं उन्हें स्टेट का सिटीजन बनाने के बारे में जो बातचीत हुई है उसमें कितनी प्रगति हुई है ?

श्री विनेश सिंह : उन्हीं के बारे में बातचीत हुई है और जैसा मैंने अभी अर्ज किया कि इस सिलसिले में जो हमारे अफसर हैं वे और बातें अभी कर रहे हैं।

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूँ कि प्रधान मंत्री जी ने जो बातचीत की उससे कहां तक यह मालूम पड़ता है कि यह जो हिन्दुस्तान के बाशिन्दे वहां पर हैं उन्हें स्टेट सिटीजन बनाया जायगा और अन्य सम्बन्धित अधिकार मिलेंगे ?

श्री विनेश सिंह : बातें अभी चल ही रही हैं अभी वे खत्म नहीं हुई हैं ।

श्री विभूति मिश्र : प्रधान मंत्री जी ने जो बातचीत की उस बातचीत से हमें क्या आभास मिलता है और आशा होती है ?

प्रधान मंत्री तथा वंदेशिक कार्य, प्रति-रक्षा, तथा अणुशक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : माननीय सदस्य यह याद रखें कि यह जो लोग हैं वहां हमारी राय में सीलोन के नागरिक हैं वह हमारे नहीं हैं । वह वहीं पैदा हुए उनके बाप दादे सिर्फ यहाँ पैदा हुए थे इसलिये यह सीलोन गवर्नमेंट का काम है कि उनकी रक्षा करे और उनके जो नागरिकों के अधिकार होते हैं वह उन को दे । अब वह चाहते हैं उनको यहाँ भेज देना सबों को या बहुतां को, इस पर हमने कहा है कि जो लोग बगैर किसी दबाव के खुशी से आना चाहते हैं और हमारे विधान को पूरा करते हैं वे आ सकते हैं लेकिन हमें यह स्वीकार नहीं है कि वह यहाँ जबरदस्ती और बगैर उनकी मर्जी के भेजे जायँ इस पर बहस होती है कि क्या ढंग निकाला जाये, क्या नहीं । हमें यह मंजूर है कि किसी किस्म की कोई जबरदस्ती न हो । जो वहाँ से आना चाहें, वे आ जायँ, हम उन को लेंगे और जो वहाँ रहना चाहें, वे वहाँ रहें । लेकिन वे हमारे नागरिक नहीं हैं । उनके बाप-दादे भारत से निकले थे, वह और बात है ।

Dr. L. M. Singhvi: May I know whether the hon. Prime Minister realised that by a legislative fiat these Ceylonese of Indian origin have been rendered Stateless and whether it has been proposed to set up any specific machinery for conciliation between these two States on this question on any agreed terms of reference?

Shri Jawaharlal Nehru: These questions cannot be dealt with by any official machinery by itself unless first the principles are settled by the

two Governments. The machinery is there; there are our High Commission, our agents and others who discuss with those people.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूँ कि प्रधान मंत्री जी जब लंका गए थे, तो लंका के प्रमुख अधिकारियों से बातचीत करने के अतिरिक्त, जिन भारतीय नागरिकों की यह समस्या है, उनमें से भी कुछ प्रधान मंत्री जी से मिले थे और क्या उन्होंने अपनी कुछ कठिनाइयों का विवरण उन को दिया था ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : मैं फिर अर्ज कर्हंगा कि भारतीय नागरिकों का सवाल नहीं है । थोड़ा सा है इधर उधर । वह तो दूसरा सवाल है । यह तो उन लोगों का सवाल है, जिनके बाप-दादा वहाँ पर गए थे । और जो कानून के मुताबिक हमारे नागरिक नहीं रहे । वे सीलोन के नागरिक होने चाहियें । लेकिन सीलोन वालों ने कुछ थोड़े से लोगों को, शायद तीस चालीस हजार को, नागरिक बनाया है । लेकिन सात लाख के करीब अभी बाकी हैं । और कुछ हमने बनाए, जो स्टेटलेस लोग कहलाते हैं, जो कहीं के नागरिक नहीं हैं । हमारा कहना था—मैं फिर दोहराता हूँ—कि उनमें से जो लोग खुशी से और बगैर दबाव के यहाँ आना चाहें, उनको हम ले लेंगे, अगर वे हमारे कांस्टीट्यूशन के हिसाब से हमारे नागरिक हो सकते हैं । हम कहते हैं कि बाकियों का वे प्रबन्ध करें ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न यह था कि जो राज्य-विहीन लोग वहाँ पर हैं, क्या उनके प्रतिनिधि भी प्रधान मंत्री जी से मिले थे ।

श्री जवाहरलाल नेहरू : जो हमारे नागरिक हैं ?

Mr. Speaker: Did any of the Stateless persons interview the hon. Prime Minister when he was there?

श्री जवाहरलाल नेहरू : वह तो मुझे याद नहीं है । लेकिन ज्यादातर ये लोग वहाँ

एस्टेट लेबर हैं और उनकी ट्रेड यूनियन्ड हैं ।
उन ट्रेड यूनियन्ड के अधिकारी मिले थे ।

Shri Hem Barua: In view of Ceylon's decision to reserve jobs for the Ceylonese, may I know whether the problem of security of employment for the so-called Stateless persons of Indian origin in Ceylon was specifically discussed between the two Prime Ministers and, if so, with what effect?

Shri Jawaharlal Nehru: A great majority of the Stateless persons are at present employed in the estates. The question was not discussed but it was casually referred to that if any of them is removed from their employment some other employment should be given to them.

Shri Warior: May I know whether the Ceylon Government is agreeable to retain these Stateless persons until a final agreement with the Government of India is arrived at? Instead of repatriating them to India will they be allowed to remain there until a final settlement with the Government of India is arrived at?

Shri Jawaharlal Nehru: They are there now and they cannot easily send them to India till we allow them to come back. Our position is that we will take back any person who fulfils the qualifications and chooses to come here without compulsion.

Shrimati Savitri Nigam: The hon. Prime Minister has just now stated that those people who are ready to come willingly could come here. I would like to know whether the Ceylonese Government is going to allow them to bring their assets and in what other way the Ceylonese Government is going to help them if they are willing to come.

Shri Jawaharlal Nehru: I do not know what inducements the Ceylon Government may give them or in what other way they can help them. That is for the Ceylon Government to decide. As for us, we have stated that we will accept any person who

fulfils our Constitutional requirements and decides without pressure to come here. That is the position. I suppose, the Ceylon Government would give them facilities for that purpose where it arises.

Shrimati Savitri Nigam: I want to know whether the Ceylon Government would allow them to bring back their assets along with them or not.

Mr. Speaker: That has been answered. Next question.

Escape of Naga Leaders to London

- +
- *134. {
- Shri Surendra Pal Singh:
 - Shri S. M. Banerjee:
 - Shri Daji:
 - Shri P. C. Borooah:
 - Shrimati Savitri Nigam:
 - Shri Vasudevan Nair:
 - Shri Mohsin:
 - Shri Yashpal Singh:
 - Shri S. B. Patil:
 - Shri Kapur Singh:
 - Shri P. K. Ghosh:
 - Shri Kajrolkar:
 - Shri Indrajit Gupta:
 - Shri P. K. Deo:
 - Shrimati Renu Chakravartty:
 - Shri Sarjoo Pandey:
 - Shri Sonavane:

Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether in September 1962, the Government of U.K. permitted the four Naga campaigners for "Independence" to enter Britain; and

(b) if so, what are the reactions of the Government of India thereto?

The Minister of State in the Ministry of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon): (a) Yes.

(b) Before the four Indian Nagas were allowed to enter the U.K., our High Commission in London informed the U.K. authorities that if the U.K. authorities decided to permit these Nagas to enter the U.K., on the basis of identification papers issued to them by any other country, in full knowledge of the fact that they were Indian